बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **रसखान ने अपने सवैयों में किसकी भक्ति की है?**
   a. राम की b. कृष्ण की
   c. शिव की d. अल्लाह की

2. **रसखान ने इनमें से किन से दीक्षा प्राप्त की?**
   a. कबीर दास से b. आदिनाथ से
   c. शंभू नाथ से d. विट्ठलनाथ से

3. **रसखान की रचनाओं का संग्रह का क्या नाम है?**
   a. रसखान रचनावली b. रसखान ग्रंथावली
   c. सुजान रसखान d. प्रेम वाटिका

4. **रसखान को इनमें से किस से अनन्य प्रेम है?**
   a. कृष्ण से b. कृष्ण की वस्तुओं से
   c. ब्रजभूमि से d. इनमें से सभी

5. **रसखान की कविताओं में इनमें से किसका वर्णन नहीं मिलता है?**
   a. शिव पार्वती का
   b. कृष्णा की रूप माधुरी का
   c. ब्रज महिमा
   d. गोपियों और कृष्ण की प्रेम लीलाओं का

6. **रसखान की काव्य भाषा क्या है?**
   a. अवधी b. मैथिली
   c. ब्रजभाषा d. संस्कृत

7. **'पुरंदर' किसका पर्यायवाची है?**
   b. कृष्ण b. शिव
   b. इंद्रदेव d. विष्णु

8. **'रसखान' का अर्थ हुआ 'रस की खान' तो 'रसखान' शब्द किस समास का उदाहरण है?**
   a. अव्ययी भाव. b. तत्पुरुष
   c. कर्मधारय. d. द्विगु

9. **गोपियाँ किनको कहा जाता है?**
   a. ग्वालों की पुत्रियों को
   b. मछुवारों की की पुत्रियों को
   c. माथुरा वालों की पुत्रियों को.
   d. इनमें से कोई नहीं

10. **कृष्ण किसके अवतार माने जाते हैं?**
    a. शिव b. विष्णु
    c. इंद्र d. ब्रह्मा

11. **रसखान अगले जन्म में कहाँ बसना चाहते हैं?**
    a. दिल्ली में b. कैलाश पर्वत पर
    c. काशी में d. ब्रजभूमि में

12. **रसखान के पहले सवैये में प्रयुक्त 'खग' शब्द का क्या अर्थ है?**
    a. पक्षी b. कदंब का पेड़
    c. यमुना नदी d. खरगोश

13. **कवि किसके लिए तीनों लोक के राज्य को त्याग देना चाहता है?**
    a. दिल्ली में रहने के लिए.
    b. सोने के महल के लिए
    c. कृष्ण की लाठी और कंबल के लिए
    d. करील के कुंजों के लिए

14. **इनमें से कौन कृष्ण का पर्यायवाची शब्द नहीं है?**
    a. नंद नंदन b. नीलकंठ
    c. मुरलीधर d. कन्हैया

15. **इनमें से कौन सा गीत कृष्ण के द्वारा गाया जाने वाला है?**
    a. गोधन b. बिहू
    c. कजरी d. गोलपरिया

16. **मोर पंख को कृष्ण अपने शरीर के किस अंग में धारण करते हैं?**
    a. गले में b. सिर के ऊपर
    c. कमर में d. बाँह में

17. **'अधरा' शब्द का क्या अर्थ है?**
    a. कमर b. गला
    c. हाथ d. होंठ

18. **पाठ के अनुसार सिद्धि कितने प्रकार के होते हैं?**
    a. सात b. चौदह
    c. आठ d. नौं

19. **निधियाँ कितने प्रकार के माने गए हैं?**
    a. आठ b. नौ
    c. ग्यारह d. पंद्रह

20. **कृष्ण किस स्थान पर गोधन गाया करते थे?**
    a. अपने घर के पीछे
    b. अट्टालिका पर चढ़कर
    c. गंगा नदी के किनारे
    d. गोवर्धन पर्वत पर

21. **'कोटिक ए कलधौत के धाम' पंक्ति किस सवैया में है?**
    a. पहला b. दूसरा
    c. तीसरा d. चौथा

22. **निम्न में से किस शब्द का अर्थ त्यागना है?**
    a. तजि b. तिहूँ
    c. तड़ाग d. टेरि

23. **'मंझारण' का क्या अर्थ होता है?**
    a. मंजन करना b. बीच में
    c. मंझला d. मछुवारन

24. **'ब्रजलोगनि' शब्द किस सवैया में प्रयुक्त हुआ है?**
    a. पहला b. दूसरा
    c. तीसरा d. चौथा

25. **गोपी दवारा कृष्ण का रूप धारण करने की बात किस सवैया में उद्धृत है?**
    a. पहला b. दूसरा

c. तीसरा d. चौथा

26. कृष्ण दवारा मुरली बजाने और गोधन गाने की बात किस सवैया में कही गई है?
a. पहला b. दूसरा
c. तीसरा d. चौथा

27. गोपियों से क्या नहीं संभाली जाती हैं?
a. पनघट से लाती हुई घड़ा
b. गाय, बैल और बछड़े
c. कृष्ण की मधुर मुस्कान
d. कृष्ण का दिया हुआ सामान

28. गोपी कृष्ण का रूप धारण करने के लिए किस रंग का वस्त्र पहनना चाहती है?
a. सुनहरे रंग का b. पीले रंग का
c. नीलो रंग का d. लाल रंग का

29. कवि यदि अगले जन्म में पत्थर बनाए गए तो किस पर्वत का पत्थर बनना चाहता है?
a. हिमालय पर्वत b. गोवर्धन पर्वत
c. कैलाश पर्वत d. अरावली पर्वत

30. कवि यदि अगले जन्म में पशु बनाया गया तो किनके गायों के बीच में रहकर चरना चाहता है?
a. नंद की b. यशोदा की
c. गोपियों की d. अपने पिता की

31. कवि अगले जन्म में पक्षी बनकर कहाँ बसना चाहता है?
a. गंगा घाट पर b. कदंब की डाली पर
c. नंद के घर के मुंडेर पर d. ब्रज के जंगल में

32. किस नदी का पुराना नाम 'कालिंदी' है?
a. गंगा b. ब्रह्मपुत्र
c. यमुना d. कावेरी

33 कृष्ण अपने गले में क्या पहनते थे?
a. फूलों की माला b. गूँज की माला
c. सोने की माला d. चाँदी की माला

34. कवि को ब्रजभूमि से इतना गहरा लगाव क्यों था? क्योंकि-
a. ब्रज उनकी जन्मभूमि थी
b. ब्रज उनका ससुराल था
c. ब्रज कृष्ण का निवास स्थान था
d. इनमें से कोई नहीं

35. कृष्ण की मनमोहक मुस्कान से कौन सम्मोहित हो जाती थी?
a. गोपियाँ b. रसखान की सहेलियाँ
c. कृष्ण के गाय बैल d. ब्रज की पक्षियाँ

36. कौन-सा सुख मिलने से कवि आठों सिद्धि और नौ निधियों के सुख को भूल जाना चाहता है?
a. नंद की गायों को चराने का सुख
b. महलों में रहने का सुख
c. ब्रज के तालाबों में तैरने का सुख
d. गोपियों से मिलने का सुख

37. कवि ब्रज के किन चीजों को निहारते रहना चाहता है?
a. ब्रज के लोगों को
b. ब्रज के वन और तालाबों को
c. ब्रज में आए मेहमानों को
d. ब्रज से जा रहे लोगों को

सही विकल्प को चुनकर पंक्ति को पूर्ण करें

38. 'पाहन हौ तो वही.....को जो किया हरि छत्र पुरंदर धारण
a. पर्वत b. गिरि
c. वन d. जंगल

39. रसखान कबौं इन अँखिन सौं ब्रज के बन बाग..... निहारौं
a. तड़ाग b. कुंजन
c. बगीचा d. कृष्ण

40. ओढ़ि.....लै लकूटी बन गोधन ग्वारानी संग फिराऊंगी
a. चुनरी b. कंबल
c. वस्त्र d. पीताम्बर

41. मोहनी तानन सों.....आता चढ़ी गोधन गौहें तो गैहें
a. नंद b. कृष्ण
c. रसखानि d. गोपियाँ

42. कवि ने निहारते रहने के लिए कौन-सा शब्द का प्रयोग किया है?
a. निहारूँ b. निहारन
c. निहारौं d. निहुरौं

43. कवि ने 'संभालना' क्रिया के लिए कौन-सा शब्द का प्रयोग किया है?
a. सम्हारी b. सम्हारून
c. संभाली d. संभार लूँ

44. कवि ने मनुष्य के लिए कौन-सा शब्द का प्रयोग किया है?
a. आदमी b. मानुष
c. मानव d. व्यक्ति

45. 'कालिंदी कुल कदंब की डारन' में कौन-सा अलंकार है?
a. अनुप्रास b. यमक
c. उपमा d. उत्प्रेक्षा

46. 'अधरान धरी अधरा न धरौंगी' में कौन-सा अलंकार है?
a. अनुप्रास b. यमक
c. a और b दोनों d. उत्प्रेक्षा

47. 'काल्हि कोऊ कितनो समुझै हैं' में कौन-सा अलंकार है?
a.अनुप्रास b. यमक

c. उपमा d. उत्प्रेक्षा

48. 'कलधौत के धाम' रेखांकित पद है-

a. क्रिया b. संज्ञा
c. क्रिया विशेषण d. विशेषण

49. 'ब्रजलोगनि' का सही वर्ण विच्छेद है-

a. ब्+र्+ज्+ल+ओ+ग्+अ+न+ई
b. ब्+र+अ+ज्+अ+ल्+ओ+ग्+अ+न्+ई
c. ब्+र्+अ+ज्+अ+ल्+ओ+ग्+अ+न्+इ
d. ब+र्+अ+ज+ल्+ओ+ग+नि

50. 'मुरलीधर' का वर्ण विच्छेद होगा-

a. म्+उ+र्+ली+ध+र्+अ
b. मु+र+ली+ध+र
c. म+उ+र+ल+ई+ध+र
d. म्+उ+र्+अ+ल्+ई+ध्+अ+र्+अ

51. 'सवैया' क्या है?

a. छंद b. अलंकार
c. रस d. इनमें से कोई नही

52. गोवर्धन पर्वत को कृष्ण ने अपनी अँगुली पर क्यों उठाया था?

a. अपनी शक्ति दिखाने के लिए
b. ब्रजवासियों की सुरक्षा के लिए
c. इंद्रदेव से बदला लेने के लिए
d. कंस से बदला लेने के लिए

53. रसखान की कविताओं में किस रस की प्रधानता मिलती है?

a. भक्ति एवं श्रृंगार रस की b. शांत रस की
c. रौद्र रस की d. हास्य रस की

54. निम्न में से किस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है?

a. काल्हि कोऊ कितनो समझैहैं
b. ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं
c. करील के कुंजन ऊपर वारौं
d. इनमें से सभी

55. कृष्ण के किन-किन विशेषताओं से गोपियाँ प्रभावित होती है?

a. मुरली की मधुर तान से
b. लोकगीत के सुमधुर गान से
c. मनमोहक मुस्कान से
d. इनमें से सभी

56. कृष्ण के प्रेम में डूबी गोपियाँ किसके समझाने पर भी लोक लाज समझने को तैयार नहीं है?

a. कृष्ण के समझाने पर
b. सखी के समझाने पर
c. रसखान के समझाने पर
d. सारे ब्रजवासियों के समझाने पर

57. निम्न में से बसौ, गिरि, पुरंदर, तड़ाग का क्रमशः अर्थ है-

a. इंद्र, तालाब, बसना, पहाड़
b. पहाड़, बसना, तालाब, इंद्र
c. बसना, पहाड़, तालाब, इंद्र
d. बसना, पहाड़, इंद्र, तालाब

58. निम्न में से कामरिया, भावतो, सिगरे, धेनु का क्रमशः अर्थ है-

a. कंबल, अच्छा लगना, संपूर्ण, गाय
b. कंबल, गाय, संपूर्ण, अच्छा लगना
c. संपूर्ण, अच्छा लगना, गाय, कंबल
d. अच्छा लगना, संपूर्ण, गाय, कंबल

59. सवैया छंद में कितने वर्ण होते हैं?

a. 14 से 16 वर्ण b. 22 से 26 वर्ण
c. 18 से 22 वर्ण d. सिर्फ 16 वर्ण

60. रसखान के अतिरिक्त इनमें से किसने अपनी कविता में कृष्ण की भक्ति की है?

a. सूरदास ने b. कबीर दास ने
c. तुलसीदास ने d. वाल्मीकि ने

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. b,	11. d,	21. b,	31. b,	41. c,	51. a,
2. d,	12. a,	22. a,	32. c,	42. c,	52. b,
3. a,	13. c,	23. b,	33. b,	43. a,	53. a,
4. d,	14. b,	24. d,	34. c,	44. b,	54. d,
5. a,	15. a,	25. c,	35. a,	45. a,	55. d,
6. c,	16. b,	26. d,	36. a,	46. c,	56. d,
7. b,	17. d,	27. c,	37. b,	47. a,	57. d,
8. b,	18. c,	28. b,	38. b,	48. b,	58. a,
9. a,	19. b,	29. b,	39. a,	49. c,	59. b,
10. b,	20. b,	30. a,	40. d,	50. d,	60. a,

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. रसखान का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर- रसखान का जन्म लगभग 1548 ईस्वी में दिल्ली के आसपास हुआ।

2. कवि क्या-क्या देखने की इच्छा प्रकट करता है?

उत्तर- कवि ब्रजभूमि में स्थित बाग-बगीचों और तालाबों को देखते रहने की इच्छा प्रकट करता है।

3. ब्रज में स्थित करील के कुंजन पर कवि किन चीज़ों को न्योछावर कर देना चाहता है?

उत्तर- कवि ब्रज में स्थित करील के कुंजन के लिए सोने के करोड़ों महलों के सुख को भी न्योछावर कर देना चाहता है।

4. मुरलीधर किसे कहा जाता है और क्यों?

उत्तर- कृष्ण को मुरली से बहुत लगाव है, वह उससे मंत्र मुक्त

कर देने वाले धुन बजाते हैं। इसलिए कृष्ण को मुरलीधर कहा जाता है।

5. कवि को ब्रजभूमि से इतना गहरा लगाव क्यों था?

उत्तर- क्योंकि कवि कृष्ण की भक्ति में लीन है इसलिए कृष्ण के निवास स्थान से उसे गहरा लगाव है।

6. कवि अगले जन्म में गोवर्धन पर्वत का ही पत्थर क्यों बनना चाहता है?

उत्तर- क्योंकि ब्रजवासियों के संकट के समय कृष्ण ने इसी पर्वत का छत्र धारण किया था?

7. 'गोधन' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- गोधन एक लोकगीत है जिसे कृष्ण मुरली बजाकर गाया करते थे।

8. रसखान की काव्य भाषा क्या है तथा यह किस क्षेत्र की भाषा है?

उत्तर- रसखान की काव्य भाषा ब्रजभाषा है जो मथुरा के आसपास की बोली है।

9. 'अधरान धरी अधरा न धरौंगी' में यमक अलंकार है। कैसे?

उत्तर- क्योंकि 'अधरान' और 'अधरा न' ध्वनि की दृष्टि से सामान है परंतु दोनों का अर्थ अलग है।

10. सखी के कहने पर गोपी क्या करना चाहती है?

उत्तर- गोपी सखी के कहने पर कृष्ण का रूप धारण करने का स्वांग रचना चाहती है।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. पठित पाठ में कवि का कृष्ण के प्रति बहुत गहरा प्रेम व्यक्त हुआ है। कैसे? सिद्ध करें।

उत्तर- कवि को कृष्ण से जुड़ी हर वस्तु से अथाह प्रेम है। उसके लिए इस संसार के हर प्रकार के सुखों से भी ऊपर कृष्ण से संबंधित वस्तुएँ हैं। कवि के ये सभी भाव कविता में उभर कर आए हैं, इससे स्पष्ट होता है कि कवि के हृदय में कृष्ण के प्रति बहुत गहरा प्रेम है।

2. गोपी अपने कानों में अँगुली देकर क्यों रहना चाहती है?

उत्तर- कृष्ण की मुरली की तान इतनी मनमोहक है कि जब भी गोपी के कानों पर पड़ती है तब उसके आकर्षण में पड़कर गोपियाँ अपना आपा खो बैठती है, इसलिए वे अपने कानों में अँगुली देकर रहना चाहती है ताकि वे कृष्ण के मुरली के प्रभाव से बच सके।

3. 'भवतो वोहि मेरो रसखानि सो तेरे कहै सब स्वांग करौंगी। या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।'- भाव स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- उपर्युक्त काव्यांश पठित पाठ रसखान के तीसरे सवैये से उद्धृत है। सखी के आग्रह करने पर गोपी कृष्ण का रूप धारण करने का स्वांग रचने को तैयार है, क्योंकि वह कृष्ण को बहुत पसंद करती है। परंतु हर समय कृष्ण के होठों से चिपका रहने वाला मुरली को वह अपने होठों पर कभी नहीं रखना चाहती है क्योंकि यही वह मुरली है जो इनको कृष्ण से दूर करती है। इन पंक्तियों में मुरली को सौतन तुल्य बताया गया है, भावानुरूप भाषा का सुंदर प्रयोग हुआ है।

4. चौथे सवैये के अंतिम पंक्ति के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालें-

उत्तर- चौथे काव्यांश के अंतिम पंक्ति के अंत में 'न जैहैं' पद की तीन बार आवृत्ति हुई है जिसके प्रभाव से कविता का सौंदर्य असाधारण तरीके से बढ़ गया है। इसमें गोपियों की भावभीनी तथा मुग्ध कर देने वाली मनोदशा का अत्यंत सुंदर चित्रण हुआ है। कवि ने ब्रजभाषा का अद्भुत प्रयोग किया है।

5. पाठ के आधार पर बताइए की सच्चा प्रेम कैसा होना चाहिए?

उत्तर- हम अपने प्रिय से जितना प्रेम करते हैं उतना ही प्रेम हमें उसके द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुएँ, क्रियाकलाप, बात-व्यवहार, वेशभूषा एवं उसके निवास स्थान से भी होना चाहिए। और ये सभी यत्न करके नहीं बल्कि स्वाभाविक रूप से होना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. रसखान के जीवन और काव्यगत विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर- जीवन परिचय- रसखान का जन्म लगभग 1548 ई. में दिल्ली के आसपास माना जाता है। उनका मूल नाम सैयद इब्राहिम था। वे एक राजशाही खानदान के वंशज थे। वे संपन्न परिवार के पठानी मुसलमान होते हुए भी जीवन भर कृष्ण के भक्ति में समर्पित रहे। वे बचपन से ही प्रेमी स्वभाव के थे। उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा गोस्वामी विट्ठलनाथ से प्राप्त की। जनश्रुति है कि उन्हें श्रीनाथ के मंदिर में कृष्ण के साक्षात दर्शन हुए तब से ही वे ब्रजभूमि में रहने लगे और आजीवन वहीं पर बस गए। सन् 1628 ई. के आसपास उनका देहावसान हो गया।

काव्यगत विशेषताएं- रसखान कृष्ण के अनन्य भक्त थे। उनका पूरा जीवन ही कृष्ण की भक्ति में समर्पित रहा। उनके अंदर काव्य रचना की नैसर्गिक प्रतिभा थी जो कृष्ण का आश्रय पाकर सदा के लिए अमर हो गई। कृष्ण के प्रति अगाध श्रद्धा एवं कृष्ण और ब्रजभूमि के प्रति समर्पण का गहरा भाव ही रसखान की कविताओं का केंद्रीय भाव है। उनकी दृष्टि में कृष्ण के सिवाय इस पूरे ब्रह्मांड में और कोई श्रेष्ठ नहीं है। उनकी सुमधुर सरल और सरस भाषा कविता के भावों के अनुरूप सहज ही बैठ जाती है। कहीं भी अपनी बात को रखने के लिए शब्द आडंबर के चक्कर में नहीं पढ़ते। ऐसा लगता है जो भी अनुभव किया हो सहज ही शब्दबद्ध हो गए हों, उन्हें कोई भाषिक यत्न नहीं करना पड़ा हो जैसे। रसखान को 'रस की खान' कहना निश्चित रूप से कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

2. पठित पाठ रसखान के सवैया का सार अपने शब्दों में प्रस्तुत करें।

उत्तर- रसखान द्वारा रचित सवैयों में कृष्ण के प्रति भक्ति की भावना कुट-कुट कर भरी हुई है जो की अलग-अलग प्रसंगों के माध्यम से अभिव्यक्त हुई है। पहले सवैया में कवि कृष्ण के निवास स्थान पर मोहित है। चूँकि

उनका जन्म दिल्ली के आसपास हुआ था, इस बात पर पश्चाताप का भाव व्यक्त करते हुए चाहे जो भी रूप में हो मगर वह अगले जन्म में ब्रजभूमि में जन्म लेकर बसना चाहता है।

दूसरे सवैया में कवि कृष्ण से संबंधित हर वस्तु पर मुग्ध है वह कृष्ण की लाठी और कंबल पर तीनों लोकों का राज्य मिल जाने का सुख त्यागने को तैयार है, नंद की गायों को चराने के लिए आठों सिद्धि और नव निधियों के सुखों को भी भूल जाना चाहता है, ब्रज के बाग बगीचों और जलाशयों को निहारते रहना चाहता है और ब्रजभूमि की लताओं के आगे सोने के महलों को भी तुच्छ समझता है।

तीसरे सवैये में गोपी के कृष्णमय हो जाने का भाव उद्भुत हुआ है। गोपी कृष्ण का रूप धारण कर कृष्णमय हो जाना चाहती है मगर उसके मन में कृष्ण की मुरली के प्रति ईर्ष्या का भाव है क्योंकि इसी मुरली के कारण वह कृष्ण से दूर है।

चौथे सवैया में कृष्ण के बंसी की मधुर धुन और उनके द्वारा गाया जाने वाला गोधन गीत का मनमोहक तान तथा उनका मुस्कुराता हुआ सुंदर छवि के अचूक प्रभाव का उल्लेख है जिसकी आकर्षण में आने से गोपियाँ स्वयं को रोक नहीं पाती है।

3. चौथे सवैये का भावार्थ लिखें।

उत्तर- चौथे सवैये में कवि कृष्ण के संपूर्ण व्यक्तित्व के आकर्षण के प्रभाव के बारे में लिखते हैं। कवि की पंक्तियों में गोपी कहती है- हे सखी! जब कृष्ण धीमे-धीमे मधुर स्वर में बंशी बजाएँगे तो मैं अपने कानों में अँगुली दे दूँगी ताकि बंशी की मनमोहक स्वर मुझ पर जादू ना चला सके। फिर वह ऊँचे-ऊँचे अट्टालिकाओं पर चढ़- चढ़ कर अपनी मोहिनी तान में बंशी बजाएं और गोधन गीत गाएं तो गाते रहे, मुझ पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। परंतु हे सखी! यदि किसी प्रकार कृष्ण की मधुर बंसी की धुन मेरे कानों में पड़ गई तो ब्रज के समस्त लोगों को पुकार-पुकार के कह रही हूँ चाहे फिर कोई कितना भी समझाने आए मेरी मस्ती कम नहीं होगी, मुझे उस मधुर धुन के आनंद में खो जाने से कोई नहीं रोक सकता है। कृष्ण के मुख की मोहिनी मुस्कान ऐसी है कि उसके जादू से बचा नहीं जा सकता। उसके इस छविमान रूप को देखकर आपा खो देना स्वाभाविक है।

अंतिम पंक्ति के अंत में 'न जैहैं' पद की तीन बार आवृत्ति हुई है जिसके प्रभाव से कविता का सौंदर्य असाधारण तरीके से बढ़ गया है। इसमें कवि ने गोपी की भावभीनी तथा मुग्ध कर देने वाली मनोदशा का अत्यंत सुंदर चित्रण किया है। कवि ने भावानुरूप ब्रजभाषा का अद्भुत प्रयोग किया है।

पाठ - 12 कैदी और कोकिला

कवि परिचय

माखनलाल चतुर्वेदी

जन्म :- 1889 ई.

स्थान :- मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के बाबई गांव में

पेशा :- अध्यापन

भाषा :- हिन्दी

संपादन :- प्रभा, कर्मवीर, प्रताप

प्रमुख रचनाएँ :- हिमकिरीटनी, हिमतरंगिनी, युगचरण, समर्पण आदि

पुरस्कार :- पद्मभूषण

उपाधि :- एक भारतीय आत्मा

आंदोलन में सक्रियता :- असहयोग आंदोलन

काव्यगत विशेषताएँ :- राष्ट्रीय चेतना, त्याग, बलिदान, मानवतावाद, अँग्रेजी राज्य के प्रति प्रखर विद्रोह की भावना।

पाठ परिचय

'कैदी और कोकिला' पाठ में कवि माखनलाल चतुर्वेदी ने कोयल के माध्यम से पराधीन भारत के करावासों की दुर्दशा का वर्णन करते हुए भारत वासियों को सम्बोधित कर क्रांति का आह्वान किया है। कारागृह में बंद कवि अँधेरी रात में कोयल का मधुर स्वर सुनकर आंदोलित हो उठता है। उसे कोयल की कुहकन में अपना और अपने साथ जेल में बंद कैदियों के साथ हो रहे अन्याय और अत्याचार का दर्द दिखाई देता है। कवि जेल में चोरों, डाकुओं बटमारों के साथ यहाँ भूखा रहने को बेबस है। उसके चारों ओर अँधेरा ही अँधेरा है। ऐसे में कोयल का कुहकना कवि को सैकड़ों प्रश्नों और जिज्ञासाओं से भर देता है। वह कोयल से बार-बार पूछता है, कोयल से उसके कुहकने का कारण जानना चाहता है। वह कोयल के कूक में कई तरह का अंदेशा लगाता है। कवि को लगता है या तो कोयल ने कवि के दुखी मन को देख लिया है या बाहर में हो रहे शोषण और अत्याचार को देख कर ऐसे व्यथित हो उठी है। इस प्रकार कवि ने कोयल की आवाज़ को माध्यम बनाते हुए अपने अंदर के क्रांतिकारी भाव को व्यक्त किया है।

पाठ्य-पुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर- कवि कोयल की कूक सुनकर सैकड़ो सवालों और जिज्ञासाओं से भर जाता हैं। वह बार-बार कोयल से पूछता है कि तुम आधी रात में, इस अँधेरी वातावरण में क्यों कूकने लगी हो? क्यों बावली हो गई हो? क्यों मरने की मदमाती हो गई हो?

2. कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?

उत्तर- कवि ने कोकिल के बोलने की अनेक कारणों की संभावना जताई है। जैसे-

* वह स्वयं के पीड़ा के कारण कुहक उठी है।
* वह कवि के दुख पर रो रही है।
* वह शोषित भारतवासियों के लिए रो रही है।
* वह भारतवसियों में विद्रोह के बीज़ बोना चाहती है।

3. किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

उत्तर- ब्रिटिश शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गयी है। क्योंकि ब्रिटिश शासकों ने भारत वासियों पर घोर अत्याचार किए हैं और जिसने इसका विरोध किया उसको कारागृह में डाल कर और अधिक कष्ट पहुँचाए हैं।

4. कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- पराधीन भारत के जेलों की स्थिति अत्यधिक कष्टदायी थी। विशेष कर उन कैदियों के लिए जो स्वतंत्रता सेनानी थे। उनसे दिन-रात मेहनत कराई जाती थी। उनसे मोट खींचवाया जाता था, कोल्हू चलवाया जाता था और तो और उन्हें भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता था तथा उन्हें हथकड़ियों में बांध कर रखा जाता था।

5. भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) मृदुल भैभव की रखवाली सी, कोकिल बोलो तो!

उत्तर- जेल में बंद कवि कोयल के कुहकने की आवाज से प्रभावित होकर कोयल को सम्बोधित कर कहता है- मेरे अंदर से लेकर बाहर तक हर जगह पर दुख ही दुख है अगर कहीं कोई मधुरता या सरसता बची है तो वो तुम्हारे अंदर बची है। मगर तुम्हारा कुहकना मुझे उलझा रहा है, तुम कुछ स्पष्ट बात बोलो।

(ख) हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुआँ।

उत्तर- कवि जेल में मिल रहे यातनाओं से घबरा नहीं रहा है बल्कि इस यातना को अपना हथियार मानता है। उसे लगता है कि वह जितना मेहनत करेगा अँग्रेजों का साहस उतना ही कम होगा और उनकी अकड़ ढीली पड़ जाएगी। अर्थात् कवि इस यातना को स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का हिस्सा मानता है।

6. अर्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उत्तर- कवि को कोयल की चीख में यह अंदेशा हो रहा है कि कोयल ने जेल में हो रहे कैदीयों के साथ अत्याचार का